मैंने तेरे ही भरोसे लक्ष्मी माँ, जीवन की ज्योत जगा दई

मैंने तेरे ही भरोसे लक्ष्मी माँ
जीवन की ज्योत जगा दई।
ओ लक्ष्मी मैया, तेरे भरोसे,
अरजी तेरे द्वार लगा दई॥

अंतरा 1 — सवाल
काहे का दीप जलाऊँ मैया,
काहे की बाती,
मैया काहे का तेल भरूँ,
जगमग हो राती॥

अंतरा 1 — जवाब
श्रद्धा का दीप जलाऊँ मैया,
प्रेम की बाती,
भक्ति का तेल भरूँ मैया,
जगमग हो राती॥

मैंने तेरे ही भरोसे माँ
जीवन की ज्योत जगा दई।
ओ लक्ष्मी मैया, तेरे भरोसे,
अरजी तेरे द्वार लगा दई॥

अंतरा 2 — सवाल
कौन बसे मेरे घर आँगन,
कौन मिटाए अँधियारा,
मैया कौन कृपा बरसाए,
कौन बने रखवारा॥

अंतरा 2 — जवाब
सुख-समृद्धि घर में बस जाए,
दूर हो दुख सारा,
लक्ष्मी मैया कृपा बरसाएँ,
चमके भाग्य सितारा॥

मैंने तेरे ही भरोसे लक्ष्मी माँ
जीवन की ज्योत जगा दई।
ओ लक्ष्मी मैया, तेरे भरोसे,
अरजी तेरे द्वार लगा दई॥

अंतरा 3
खाली झोली लेकर आई,

सुन ले मेरी विनती,
मेहनत में बरकत दे मैया,
मन में भर दे भक्ति॥

घर-घर दीप दिवाली वाले,
तेरी महिमा गाएँ,
लक्ष्मी मैया दया दिखाओ,
खुशियों के दिन आएँ॥

अंतिम मुखड़ा
मैंने तेरे ही भरोसे लक्ष्मी माँ
जीवन की ज्योत जगा दई।
ओ लक्ष्मी मैया, तेरे भरोसे,
अरजी तेरे द्वार लगा दई॥

जय लक्ष्मी माता!
जय महालक्ष्मी माता!

सिंगर - ललित गेरा (SLG Musician)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36895/title/maine-tere-hi-bharose-laxmi-maa-jivan-ki-jyot-jaga-dei

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |